RAJASTHAN PUBLIC SERVICE COMMISSION, AJMER

SYLLABUS FOR EXAMINATION FOR THE POST OF
COMPOUNDER/NURSE, JUNIOR GRADE,
AYURVED DEPARTMENT

PART - 1

खण्ड – अ

विषय : शरीर रचना, क्रिया एवं स्वस्थवृत्त

प्रजनन संस्थान का सामान्य परिचय । सामान्य गर्भ की उत्पत्ति, गर्भ के विकासक्रम एवं स्वरूप का परिचय । मानव शरीर के अंग, कोष्ठ, आशय, कला, त्वचा, कण्डरा, कूर्च, रज्जू, संघात, सीमन्त तथा स्नायु का सामान्य ज्ञान ।

मूत्रवह संस्थान के अंगों का परिचय एवं सामान्य क्रिया विधि । स्त्रोत, सिरा, धमनी, केशिका, रसायनी एवं लसिका ग्रंथियाों का सामान्य परिचय एवं उनकी क्रियाविधि का वर्णन ।

हृदय की संरचना का सामान्य परिचय एवं कार्य विधि का ज्ञान । सामान्य रक्त संवहन एवं गर्भ रक्त संवहन में अन्तर का ज्ञान । श्वसनवह संस्थान का सामान्य परिचय एवं क्रिया विधि का अध्ययन । ग्रंथियों के भेदों का सामान्य ज्ञान तथा उनसे स्रवित रसों एवं हॉर्मोन का सामान्य परिचय ।

अस्थि एवं अस्थि संधियों की संख्या, भेद और स्थानों को वर्णन । मांस पेशियों की संख्या, प्रकार एवं कार्यों का संक्षिप्त वर्णन, ज्ञानेन्द्रियों की रचना, संख्या, भेद, स्थान तथा कार्य प्रणाली का सामान्य ज्ञान ।

दोष – धातु – मलों के भेदोपभेदों के नाम, स्थानों का सामान्य परिचय । दोष–धातु–मलों के सामान्य कार्यों सहित क्षय–वृद्धि के लक्षणों का ज्ञान ।

पाचन संस्थान का संक्षिप्त परिचय । विभिन्न पाचक रसों का सामान्य ज्ञान । पाक प्रक्रिया का सामान्य वर्णन ।

धातु पोषण–क्रमों का सामान्य परिचय तथा ओज के भेद, कार्य तथा विकृतियों का परिचय ।

शरीर के अवयवों का प्रमाण एवं मान सामान्य ज्ञान ।

रक्तभार, श्वसन दर, तापमान, नाड़ीदर (पल्स रेट) आदि का सामान्य ज्ञान एवं ज्ञात करने की विधि का वर्णन ।

मल–मूत्र, रक्त एवं शुक्र के प्राकृत प्रमाण एवं संग्रहण विधि का ज्ञान ।

स्वस्थ पुरूष का लक्षण –

रोग एवं आरोग्य के कारण ।
शरीर के त्रय उपस्तम्भों तथा आहार–निद्रा–ब्रह्मचर्य का संक्षिप्त वर्णन ।
दिनचर्या, रात्रिचर्या, वेगविधारण के दोष, धारणीय एवं अधारणीय वेगों का सामान्य वर्णन ।
वायु, जल, देश तथा काल दृष्टि के कारण – इनके शोधन के उपायों कावर्णन तथा स्वास्थ्य पर प्रभाव ।

संक्रामक रोगों के भेद, कारण एवं चिकित्सा का वर्णन तथा उनको रोकने के उपायों का वर्णन ।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवायें एवं रोग प्रतिरक्षण सेवा कार्यों का सामान्य ज्ञान ।

स्वास्थ्य शिक्षा का आयोजन कार्य पद्धति का ज्ञान ।

औद्योगिक क्षेत्र में स्वास्थ्य रक्षा के उपाय, स्वास्थ्यनाशक – व्यवसाय एवं उनका स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव एवं निवरणों का सामान्य ज्ञान ।

खण्ड – ब

विषय : चिकित्सा परिचर्या के मूल सिद्धन्त शल्य एवं शालाक्य

<u>चिकित्सा परिचर्या</u> – खण्ड – अ (आयुर्वेद)

- सामान्य रोग लक्षण, भेद एवं परीक्षा विधि ।
- निदान पंचक (निदान, पूर्वरूप, लक्षण, उपशय एवं सम्प्राप्ति) का ज्ञान ।
- चिकित्सा लक्षण, भेद एवं साध्य सध्यता ।
- विशेष रूप से निम्न रोगों की चिकित्सा व्यवस्था, परिचर्या एवं पथ्यापथ्य का ज्ञान – ज्वर, अतिसार, राजयक्ष्मा, कास, श्वास, रक्तपित्त, मूत्रकृच्छ्, वातव्याधि, हृदयरोग, अम्लपित्त, ग्रहणी, कामला, पाण्डु, पक्षाघात, उन्माद, अपस्मार, शीतपित्त, मेदो रोग, मधुमेह आदि ।
- परिचर्या का अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं सिद्धान्त ।
- शय्या प्रकार एवं उपयोग, शय्या व्रण कारण, लक्षण, बचाव के उपाय ।
- रोगी परीक्षण के सिद्धान्त एवं प्रक्रिया ।
- विसंक्रमण की विधियों का ज्ञान ।
- प्रयोगशालीय परीक्षण हेतु नमूनों का संग्रह करने की विधियों का ज्ञान ।
- पंचकर्म परिचय एवं महत्व ।
- स्नेहन, स्वेदन, वमन कर्म, विरेचन कर्म, बस्ति कर्म, नस्य कर्म एवं रक्तमोक्षण का सामान्य परिचय एवं कर्मविधि परिज्ञान ।
- पंचकर्म में पथ्यापथ्य एवं परिचर्या ।

<u>चिकित्सा परिचर्या</u> – खण्ड – ब (हौम्योपैथी)

- हौम्योपैथिक चिकित्सा प्रणाली का आविष्कार किस प्रकार हुआ ।
- डॉ. हैनिमैन का परिचय ।
- हौम्योपैथिक चिकित्सा के मुख्य–मुख्य सिद्धान्तों का विवरण ।
- हौम्योपैथिक चिकित्सा में मानसिक लक्षणों की भूमिका ।
- Totality of Symptoms लक्षण समष्टि का महत्व ।

<u>चिकित्सा परिचर्या</u> – खण्ड – स (यूनानी)

- यूनानी चिकित्सा पद्धति का परिचय, यूनानी चिकित्सा पद्धति का संक्षिप्त इतिहास तथा मूल सिद्धान्तों का सामान्य परिचय ।
- निम्नांकित औषध द्रव्यों का संक्षिप्त परिचय एवं गुणकर्म का ज्ञान –

  मुनक्का, अन्जबार, अन्जीर, अखरोट, आबनूस, आलूबुखारा, इसबगोल, उन्नाब, उलटकम्बल, उशबा, अजराक़ी, उस्तू खुद्दूस, कबाब चीनी, कहरूबा, ख़तमी, गुलरेख, ख़ुब्बाज़ी, ख़ुब्बाजी बुस्तानी, गावजबाँ, गुड़हल, गुल–ए–अ़ब्बास, गुल–ए–चाँदनी, जवाशीर, जवासा, ज़ूफ़ा, दरूनज–अक़रबी, बेदमुश्क, मकोह, मस्तगी, मुश्कदाना, रेवन्दचीनी, सनाय, सूरन्जान, शहत्रा, हब्बुलकिलकिल, ख़ोकसी, बनफ़शा कासनी, बादियान, सपिस्ताँ, तुख़्म बालंगू, जदवार ।

शल्य तंत्र :

- शल्य की परिभाषा एवं प्रधानता ।
- व्रण (निज एवं आगन्तुज), व्रणशोथ, विद्रधि, नाड़ी व्रण का सामान्य परिचय ।
- यन्त्र, शस्त्र परिचय ।
- क्षारकर्म, अग्निकर्म, जलौकावचारण का सामान्य परिचय ।
- अष्टविध शस्त्रकर्म परिचय ।
- रक्तस्त्राव रोकने के उपाय ।

- दग्ध व्रण की विभिन्न अवस्थाओं में परिचर्या ।
- विभिन्न व्रण बन्धन एवं सीवन कर्म का ज्ञान ।
- अग्रोपहरणीय परिज्ञान ।
- पिचु, प्लोट कवल, मरहम आदि का ज्ञान ।
- विसंक्रमण की विधियों का ज्ञान ।
- भगन्दर, अर्श, ग्रन्थि, अर्बुद की शल्य चिकित्सा एवं परिचर्या, पथ्यापथ्य सहित ।

शालाक्य तंत्र :

- शालाक्य तंत्र निरूक्ति, परिभाषा, भेद ।
- नेत्र शारीर ।
- कर्ण शारीर ।
- नासा शारीर ।
- क्रिया कल्प (तर्पण, पुटपाक, आश्च्योतन, स्वेदन, लेप, अंजन, वर्ती) का ज्ञान ।
- नस्यकर्म, भेद, प्रयोगविधि एवं परिचर्या ।
- कवल, गण्डूष, प्रतिसारण आदि विधि परिज्ञान ।
- मुख रोगोपयोगी, कर्णरोगोपयोगी, नेत्ररोगोपयोगी यन्त्र शस्त्र परिचय ।
- शिरोरोगों के समान्य निदान, भेद, चिकित्सा एवं परिचर्या का ज्ञान ।

खण्ड – स

विषय : प्रसूति – स्त्रीरोग, कौमार भृत्य एवं मानसिक विज्ञान

- शुद्ध शुक्र एवं आर्त्तव के लक्षण, ऋतुकाल, ऋतुमति लक्षण, ऋतुमतिचर्या, गर्भाधान, गर्भ परिभाषा, गृहित गर्भा के लक्षण, पुंसवन कर्म, दौहदावस्था, गर्भिणी परीक्षण एवं परिचर्या, असान्न प्रसवा लक्षण, मक्कल भूल, प्रसवावस्थाएं, अपरापातन कर्म, सूतिकाकाल, सूतिका परिचर्या, गर्भपात, गर्भस्त्राव, उपविष्टक, नागोदर एवं लीन गर्भ, अन्तर्मृत शिशु के लक्षण एवं चिकित्सा, योनिरोग, असृग्दर, श्वेतप्रदर, आर्तवक्षय, कष्टार्तव एवं बन्ध्यत्य ।

  बालक की वृद्धि एवं विकास, शिशु परिचर्या, स्वर्णप्राशन, मातृस्तन्यपान, बालकों में संस्कार, दन्तोद्भेद, मृद भक्षणजन्य विकार, बालातिसार, छर्दि, बालशोष, कृमि, उत्फुल्लिका, बालपक्षाघात, कुक्करकास, गुदभ्रंश, नेत्राभिष्यन्द, रोमान्तिका, यकृतविकार एवं कनफेड़े (पाषाण गर्दभ) ।

  मानसिक रोगों के समान्य कारण, लक्षण एवं चिकित्सा, उन्मान, अपस्मार एवं मानसिक अवसाद ।

खण्ड – द

औषध द्रव्य परिचय :

1 द्रव्य की परिभाषा, द्रव्य के लक्षण, द्रव्य गुण का प्रयोजन, द्रव्य के रस, गुण, वीर्य, विपाक, प्रभाव एवं कर्म का सामान्य परिचय एवं भेद ।

2 द्रव्यों का संग्रहण एवं संरक्षण विधि

3 निम्नलिखित वान्सपतिक द्रव्यों का संक्षिप्त परिचय एवं गुण, कर्म का ज्ञान

हरीतकी, विभीतक, आंवला, शुंठी, कालीमिर्च, पिप्पली, पिपलामूल, चव्य, चित्रक, एला, लघु पंचमूल, वृहद पंचमूल, दालचीनी, तेजपत्र, नागकेशर, चन्द्रशूर, वचा, कुटकी, हींग, अजवायन, वायविडंग, गिलोय, अष्टवर्ग, इन्द्र जौ, पुष्करमूल, मदनफल, रास्ना, कर्कट श्रृंगी, कायफल, जायफल, हरिद्रा, मंजिष्ठा, अश्वगंधा, सर्पगंधा, शतावरी, चन्दन, नीम, घृतकुमारी, अतीस, लवंग, ब्राह्मी, शंखपुष्पी, गुडहल, पुनर्नवा, भृंगराज, इन्द्रायण, अकरकरा, भल्लातक, अर्क, अत्सनाम, अफीम, भंग, चक्रमर्द, कपिकच्छु, शरपुंखा, अपामार्ग, केसर, कुचला, धतूरा, लोध्र, वला, तुलसी, गुग्गल, अशोक, रसोन, अमलतास, वाकुची, कांचनार, आदि ।

4 निम्नलिखित जान्तव द्रव्यों का सामान्य परिचय एवं गुण–धर्म का ज्ञान –

कस्तूरी, शंख, प्रवाल, गोरोचन, अम्बर, मृगश्रृंग, कपर्द, मुक्ता, शम्बूक

5 खनिज द्रव्यों का सामान्य परिचय एवं गुण परिज्ञान –

शिलाजीत, हरताल, मनःशिला, फिटकरी, सुहागा, पारद, गन्धक, अभ्रक, तुत्थ, मण्डूर, ताम्र, स्वर्ण, रजत, वंग, संखिया आदि ।

होम्योपैथिक द्रव्य परिचय (Homoeopathic Materia Medica)

निम्न औषधियों के मुख्य–मुख्य लक्षणों की जानकारी –

1 एकोनाइट – नैपेलस
2 एलो सोकोट्रिना
3 एपिस मेल
4 आर्निका मोन्टाना
5 आर्सनिक एल्बम
6 बेलाडोना
7 ब्रायोनिया
8 कैल्कैरिया कार्ब
9 कारबो वेज
10 कासटिकम
11 कैमोमिला
12 कोलोसिन्थ
13 सिनकोना चायना
14 कैन्थेराईटस
15 डल्कमाआरा
16 जेल्समीयम
17 हिपर सल्फ
18 इपीकाक
19 लायको पोडियम
20 मर्कसाल
21 नैट्रम म्यूर
22 नक्स वोमिका
23 फास्फोरस
24 पल्सेटिला
25 रसटाक्स
26 सीपिया
27 साइलैशिया
28 सल्फर
29 सोराइनम
30 थ्युज़ा

रसायन शास्त्र (आयुर्वेद) :

1 रसशास्त्र परिचय एवं इतिहास – संक्षिप्त परिचय।

2 परिभाषा/प्रकरण – पंचगव्य, पंचामृत, लवण पंचक, मधुरत्रय, अम्लवर्ग, द्रावकगण, मित्रपंचक, रसपंक, भावना, ढालन आवाप, निर्वाप, शोधन, मारण।

3 औषध निर्माण में प्रयुक्त यंत्र एवं उपकरण परिचय –
दोलायंत्र, डमरूयंत्र, स्थालीयंत्र, स्वेदन यंत्र, पुटयंत्र, विधाधर यंत्र, घटयंत्र, भूधर यंत्र, पातालयंत्र, तथा तुलायंत्र, का सामान्य परिचय एवं पल्वलाइजर, मिक्सर, ज्यूसर, टेवलेट, मेकिंग मशीन, कोष्ठी निर्माण का सामान्य ज्ञान तथा उपयोग, सामान्य मूषा, वज्रमूषा, पक्वमूषा, गोस्तानीमूषा का सामान्य परिचय।

4 पुट–महापुट, गजपुट, वाराह पुट, कुक्कुटपुट, कपोतपुट, गोमयपुट, कुम्भपुट, बालुकापुट, भूधरपुट, तथा लावकपुट का वर्णन।

5 रस–महारस, उपरस, साधारण रस, धातु–उपधातु, रत्न–उपरत्न, विष–उपविष का सामान्य परिचय, शोधन एवं मारण विधि का वर्णन।

6 कज्जली, अभ्रक भस्म, मण्डूर भस्म, मयूर पिच्छ भस्म, प्रवालापिष्टी–मुक्तापिष्टी, जहरमोहरापिष्टी, अकीक पिष्टी, त्रिभुवन कीर्ति रस, लक्ष्मी विलास रस, आनन्द भैरव रस, संजीवनीवटी, श्वासकुठार रस, चन्द्रामृत रस, सूतशेखर रस, इच्छाभेदी रस, पुनर्नवामंडूर, नवायसलोह, सप्तामृत गेह, रसपर्पटी, पंचामृत पर्पटी, श्वेत पर्पटी, रस सिन्दूर, मकरध्वज, समीर पन्नग रस की निर्माणविधि, गुणकर्म एंव मात्रा ज्ञान।

7 मान परिभाषा – पौतवमान, मागधमान तथा कलिंगमान का परिचय एवं आधुनिक मान ज्ञान।

8 औषध मिश्रण पद्धति – चिकित्सालय में प्रयुक्त औषधियों के अनुपान, सम्मिश्रण तथा मात्रा का परिज्ञान। औषधप्रयोग काल, (द्वादश) तथा अनुपान, चिकित्सा व्यवस्था पत्रों के सांकेतिक चिन्हों का ज्ञान।

9 यंत्र, उपकरण तथा अन्य साधन सामग्री और कच्ची एवं निर्मित औषधियों को व्यवस्थित रखने की समुचित जानकारी का ज्ञान, निर्मित औषधियों की शीशियों पर लेवल लगाने की विधि का ज्ञान।

10 भेषज्य कल्पना – पंचविधि कषाय कल्पना, क्षीर पाक, स्नेह पाक (तैल एवं घृत पाक) संधान कल्पना, अवलेह, चूर्ण, वटी, शार्कर (सीरप), वर्ति, अर्क, क्षार–सत्व, गुलकंद, मुरब्बा निर्माण की प्रक्रिया उदाहरण सहित।

11 पथ्य निर्माण – आहार कल्प तथा यूष, यवागू, मण्ड, पेया, विलेपी, प्रमथ्या, मन्थ, तक्र उष्णोदक तथा षडंगपानीय के निर्माण का ज्ञान।

रोगानुसार पथ्य विशेष यथा – ज्वर, अतिसार, प्रमेह, राजयक्ष्मा, शोथ रोगों का ज्ञान।

होम्योपैथिक फार्मेसी –

– होम्योपैथिक फार्मेसी की विशेषताऐं ।

– होम्योपैथिक वाहन के प्रकार व उनके उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी।

– होम्योपैथी औषध निर्माण एवं शक्तीकरण की विधियां। सक्शन एवं ट्राइच्यूरेशन के बारे में जानकारी।

– रोगियों को औषध वितरण के बारे में विस्तृत जानकारी, ग्लोव्यूल्स में, शुगर आफ मिल्क में, डिस्केट्स में आदि।

– औषधालय में औषधियों के जमाने की व्यवस्था की जानकारी।

यूनानी

निर्माण –

– अर्क कशीद करने का तरीक़ा तथा निम्न दवाओं का अर्क़ कशीद करना :

(अ) अ़र्क़ ज़ीरा (ब) अ़र्क़ बादियान
(स) अ़र्क़ गावज़बान (द) अ़र्क़ कासनी

– इत्रीफल बनाने का तरीक़ा तथा निम्न इत्रीफल को तैयार करना :

(अ) इत्रीफल ज़मानी (ब) इत्रीफल उस्तू ख़ुद्दूस
(स) इत्रीफल शाहत्रा

– माजून बनाने का तरीक़ा तथा निम्न माजून को तैयार करना :

(1) माजून मोचरस (2) माजून मुग़ल्लिज़
(3) माजून फ़लासफ़ा (4) माजून आर्दख़ूरमा
(5) माजून सून्जान (6) माजून दबीदुलवर्द
(7) माजून ह़जरूल यहूद (8) माजून अ़ज़राक़ी

– ज्वारिश बनाने का तरीक़ा तथा ज्वारिश को तैयार करना :

(1) ज्वारिश आमला (2) ज्वारिश पोदीना
(3) ज्वारिश कमूनी (4) ज्वारिश जालीनूस
(5) ज्वारिश अनारैन (6) ज्वारिश मस्तगी
(7) ज्वारिश तमर हिन्दी

– ख़मीरा बनाने का तरीक़ा और ख़मीरा को तैयार करना :

(1) ख़मीरा गावज़बान (2) ख़मीरा बनफशा
(3) ख़मीरा सन्दल (4) ख़मीरा आबरेशम

– मुफ़र्रदात एवं मुरक्कबात दवाओं की हिफ़ाज़त करने के तरीक़े :

– जोशानदा बनाना और उसके इस्तेमाल का तरीक़ा तथा मुन्ज़िज व मुसहिल तैयार करना और उसके इस्तेमाल का तरीक़ा।

PART - 2

GENERAL KNOWLEDGE AND CURRENT AFFAIRS - SPECIALLY WITH REFERENCE TO HISTORICAL KNOWLEDGE AND ART & CULTURE OF RAJASTHAN

1 राजस्थान की भौगोलिक संरचना : प्रमुख नदियाँ, पर्वत, मरूस्थली क्षेत्र, मिट्टियाँ, फसलें, खनिज आदि ।

2 राजस्थान में शासन, जिला प्रशासन तथा स्थानीय स्वशासन – नगरीय एवं ग्रामीण ।

3 राजस्थान में विकास एवं जन–कल्याण योजनाएँ, सिंचाई एवं विद्युत परियोजनाएँ तथा औद्योगिक विकास ।

4 राजस्थान के राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं खेलकूद आदि क्षेत्रों का समसामयिक घटनाक्रम ।

5 राजस्थान की प्राचीन सभ्यताएँ – कालीबंगा, आहड़, बैराठ ।

6 राजस्थान के ऐतिहासिक व्यक्तित्व – पृथ्वीराज चौहान तृतीय, महाराणा कुंभा, राव चंद्रसेन, महाराणा प्रताप, वीर दुर्गादास, सवाई जयसिंह, राजा सूरजमल ।

7 राजस्थान में स्वतंत्रता आंदोलन ।

8 राजस्थान का एकीकरण ।

9 राजस्थान की सामाजिक संरचना, रीति–रिवाज एवं वस्त्राभूषण ।

10 राजस्थान के सांस्कृतिक अंचल ।

11 लोक देवी–देवता एवं संत ।

12 प्रमुख मेले, पर्व एवं त्यौहार ।

13 लोक गीत, लोक नृत्य, लोक संगीत, लोक नाट्य एवं लोक–वाद्य ।

14 हस्तशिल्प ।

15 कला – स्थापत्य (दुर्ग, महल, मंदिर, हवेलियाँ, छतरियाँ, बावड़ियाँ, दरगाहें आदि), चित्रकला एवं मूर्तिकला ।

16 प्रमुख ऐतिहासिक पर्यटन एवं तीर्थ स्थल ।

17 राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं बोलियाँ ।

* * * * *

Pattern of Question Papers :

1 Objective Type Paper.
2 Maximum Marks : 200
3 Number of Questions : 100
4 Duration of Paper : Two Hours.
5 All Questions carry equal marks.
6 80 % Questions from Part-1 and 20% Questions from Part-2.
7 There will be **Negative Marking**.

*** * * * ***